

ये अव्यक्त इशारे

महान बनने के लिए मधुरता और नम्रता का गुण धारण करो

17-04-2026

आपका हर बोल महान हो। हर मंसा संकल्प हर आत्मा के प्रति मधुर हो। हर एक को ऊंचा उठाने का स्वभाव, मधुरता का स्वभाव, निर्माणता का स्वभाव हो। मेरा स्वभाव ऐसा है, यह कभी नहीं बोलना। मेरा कहाँ से आया! मेरा तेज़ बोलने का स्वभाव है, मेरा आवेश में आने का स्वभाव है। स्वभाव के वश होना यही माया है। अब मायाजीत बनो। अभिमान वा दिलशिकस्त होने के, ईर्ष्या वा आवेश में आने के स्वभाव का परिवर्तन करो।

Imbibe the virtues of sweetness and humility to become great.

Every word of yours is great. Any thought in your mind about anyone else should be sweet. Let your nature be that of uplifting everyone, a nature of sweetness and humility. Never say: My nature is like that! Where did "mine" come from? My nature of speaking is very loud. My nature is forceful. To be influenced by your nature is also Maya. Now become a conqueror of Maya. Transform any the nature of being arrogant, disheartened, jealous or forceful.